विद्या ददाति विनयम्

संजीव®

संस्करण 2026

राजस्थान का इतिहास, कला एवं संस्कृति

PYQ

Previous Year Questions

- विगत वर्षों के प्रश्नों का अध्यायवार संकलन
- प्रत्येक प्रश्न की वर्तमान संदर्भ में विस्तृत व्याख्या
- बजट 2026-27 एवं आर्थिक समीक्षा 2025-26 के तथ्यों का समावेश

संपादक

डॉ. दीपेश कुमार सैनी

संजीव प्रकाशन, जयपुर

- **प्रकाशक :**
  संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,
  जयपुर-03
  website : www.sanjivprakashan.com

- **© संजीव प्रकाशन**

- **संस्करण**- 2026
- **मूल्य : ₹500.00**
- **लेजर कम्पोजिंग :**
  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर
- **मुद्रक :** मनोहर आर्ट प्रिन्टर्स, जयपुर

- इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं-

  Email : sanjeevcompetition@gmail.com

  पता : प्रकाशन विभाग, संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर

  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरुत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनर्प्राप्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीक या तरीके-इलेक्ट्रोनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वेब माध्यम से प्रकाशक की अनुमति के बिना प्रकाशन या वितरण नहीं किया जा सकता है।
- हमने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता या त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।
- सभी प्रकार के प्रतिवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

अनुक्रमणिका

क्र.स.	अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या

राजस्थान का इतिहास

1. राजस्थान के इतिहास के स्रोत : पुरातात्विक, ऐतिहासिक, साहित्यिक, अभिलेख, प्रशस्तियाँ, यात्रियों का विवरण 07
2. राजस्थान की प्रमुख सभ्यताएँ एवं स्थल 18
3. राजस्थान में जनपदकाल, राजपूतों की उत्पत्ति 38
4. राजस्थान के प्रमुख राजवंश एवं उनसे संबंधित घटनाएँ, आर्थिक व राजनीतिक व्यवस्था, सामाजिक-सांस्कृतिक आयाम 42
5. राजस्थान की रियासतें एवं ब्रिटिश संधियाँ 92
6. राजस्थान में 1857 की क्रांति 95
7. राजस्थान में जनजातीय एवं किसान आंदोलन 105
8. राजस्थान में क्रांतिकारी गतिविधियाँ, राजनीतिक चेतना एवं प्रजामंडल आंदोलन 119
9. राजस्थान का एकीकरण 142

क्र.स.	अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या

राजस्थान की कला एवं संस्कृति

1. राजस्थान का स्थापत्य : दुर्ग, हवेलियाँ, मंदिर, स्मारक 155
2. राजस्थान की चित्रकला, भित्ति चित्रण 193
3. राजस्थान की लोक कला एवं हस्त कलाएँ, प्रमुख संस्थान 207
4. लोक संगीत, नृत्य एवं नाट्य, वाद्य यंत्र, प्रमुख संस्थान 218
5. राजस्थान के लोक देवी-देवता 244
6. राजस्थान के प्रमुख धर्म एवं संत-संप्रदाय 261
7. राजस्थान के प्रमुख मेले, त्योहार एवं पर्व 278
8. राजस्थानी भाषा, बोलियाँ एवं साहित्य, प्रमुख संस्थान 292
9. राजस्थान के प्रमुख रीति-रिवाज, प्रथाएँ एवं वस्त्राभूषण 329
10. राजस्थान की प्रमुख जनजातियाँ 344
11. प्रमुख ऐतिहासिक व्यक्तित्व 349

राजस्थान का इतिहास

PYQ

Previous Year Questions

1 राजस्थान के इतिहास के स्रोत : पुरातात्विक, ऐतिहासिक, साहित्यिक, अभिलेख, प्रशस्तियाँ, यात्रियों का विवरण

● **नीचे दो कथन दिए गए है–एक अभिकथन A के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण R के रूप में;**
[REET Mains (L-1), 2026]

अभिकथन A : नागरी/नगरी शिलालेख (424 AD) संस्कृत भाषा में है।

कारण R : वर्तमान में यह आमेर दुर्ग संग्रहालय में संरक्षित है, गुहिल शासक अपराजित की वीरता का इसमें वर्णन किया गया है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–

(1) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(2) A सही है लेकिन R सही नहीं है।
(3) A सही नहीं है लेकिन R सही है।
(4) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।

व्याख्या : (2) नगरी का शिलालेख 424 ई. का है, जो नगरी (चित्तौड़गढ़) से आर. सी भण्डारकर को प्राप्त हुआ है। इसकी लिपि देवनागरी तथा भाषा संस्कृत है। यह शिलालेख वर्तमान में अजमेर संग्रहालय में संरक्षित है। इसमें विष्णु पूजा का उल्लेख मिलता है।

● **बागोर पुरास्थल के संदर्भ में कौनसे कथन सही है?**
[P.T.I & Lib. (Sans. Edu.), 2025]

(i) यह कोठारी नदी के तट पर स्थित है।
(ii) स्थानीय लोग इसे 'महासती' के नाम से जानते है।
(iii) इसके उत्खनन कार्य से डॉ. वी. एन. मिश्र सम्बद्ध रहे।
(1) केवल (i) और (ii) सही हैं।
(2) केवल (i) और (iii) सही हैं।
(3) केवल (ii) और (iii) सही हैं।
(4) केवल (i), (ii) और (iii) सही हैं।

व्याख्या : (4) बागौर पुरास्थल भीलवाड़ा जिले में कोठारी नदी के किनारे पर स्थित है, जिसे स्थानीय लोग **महासतियाँ** के नाम से जानते हैं। इसका उत्खनन 1967 से 1970 ई. तक डॉ. वी. एन मिश्र के निर्देशन में किया गया। यहाँ से प्रागैतिहासिक काल की सभ्यता के अवशेष प्राप्त हुए हैं जो 5000 ई. पू. के माने जाते है। यहाँ से बड़ी संख्या में प्राप्त लघु पाषाण उपकरण बागौर निवासियों के आखेटक होने का प्रमाण है।

● **पं. देवी प्रसाद द्वारा 'राज प्रशस्ति' का किस भाषा में अनुवाद किया गया था?**
[School Lecturer-2025]

(1) संस्कृत (2) फारसी
(3) राजस्थानी (4) उर्दू

व्याख्या : (4) पं. देवी प्रसाद ने राज प्रशस्ति का 'तारीख-ए- राज प्रशस्ति' नाम से उर्दू भाषा में अनुवाद किया गया था। देवी प्रसाद का जन्म 18 फरवरी, 1848 को जयपुर में हुआ था लेकिन इनकी कर्म भूमि जोधपुर रही है। इन्होंने सबसे पहले मारवाड़ राज्य के कानून बनाए तथा कानून विषयक 13 पुस्तकें लिखी हैं। ये जनवरी, 1888 में मारवाड़ राज्य के इतिहास लेखन हेतु स्थापित संस्था 'तवारीख महकमा' के आजीवन सदस्य थे। उल्लेखनीय है कि राजप्रशस्ति राजसमंद झील के किनारे 25 बड़ी शिलाओं पर उत्कीर्ण देश का सबसे बड़ा शिलालेख है। इसके रचयिता रणछोड़ भट्ट थे।

● **अजमेर संग्रहालय में प्रदर्शित लिंगोद्भव मूर्ति कहाँ से प्राप्त हुई?** **[ASO परीक्षा, 2024]**

(1) ओसियाँ (2) बुचकला
(3) आभानेरी (4) हर्षनाथ

व्याख्या : (4) अजमेर संग्रहालय में प्रदर्शित लिंगोद्भव मूर्ति हर्षनाथ पर्वत (सीकर) से प्राप्त हुई है। हर्ष मंदिर के निर्माण के समय इसमें पौराणिक महत्त्व की कई मूर्तियाँ प्रतिष्ठित की गई थी, जिनमें एक लिंगोद्भव मूर्ति भी थी।

● **बड़वा यूप अभिलेख सम्बन्धित है–**
[सांख्यिकी अधिकारी परीक्षा, 2024; कनिष्ठ अभियंता कृषि, 2022]

(1) मौखरी वंश से (2) मौर्य वंश से
(3) परमार वंश से (4) खींची वंश से

व्याख्या : (1) बड़वा यूप स्तम्भ लेख (238-239 ई.) मौखरी राजवंश से सम्बन्धित सबसे प्राचीन अभिलेख है। यह बड़वा ग्राम (बारां) में अवस्थित है। इस अभिलेख में बलवर्द्धन सोमदेव और बलसिंह द्वारा त्रिरात्र यज्ञ के आयोजन का उल्लेख मिलता है।

● **किस अभिलेख में प्रतिहारों को सौमित्र (लक्ष्मण) से उद्भूत हुआ कहा गया है?**
[RPSC II Grade Teacher, 2023]

(1) ग्वालियर अभिलेख (2) जोधपुर अभिलेख
(3) उज्जैन अभिलेख (4) कन्नौज अभिलेख

व्याख्या : (1) ग्वालियर अभिलेख में प्रतिहारों को सौमित्र (लक्ष्मण) से उद्भूत माना गया है। ग्वालियर प्रशस्ति में नागभट्ट को नारायण की उपाधि (म्लेच्छों के दमन के कारण) दी गई थी। नागभट्ट द्वितीय को ग्वालियर प्रशस्ति में आंध्र, आनर्त, मालव, किरात, तुरुष्क, वत्स, मत्स्य आदि प्रदेशों का विजेता बताया गया है।

● **घटियाला शिलालेख का सम्बन्ध मण्डोर शाखा के किस प्रतिहार शासक से है?**
[RPSC II Grade Teacher, 2023]
(1) कक्कुक (2) बाउक
(3) शीलुक (4) रज्जिल

व्याख्या : (1) घटियाला शिलालेख (861 ई.) जोधपुर जिले के **घटियाला ग्राम** में एक स्तम्भ पर उत्कीर्ण है। इस अभिलेख से मण्डोर शाखा के प्रतिहार शासक **कक्कुक** के शासनकाल की जानकारी मिलती है। यह अभिलेख संस्कृत व प्राकृत दोनों भाषाओं में मिलता है। इसमें **मग जाति** के ब्राह्मणों का भी उल्लेख मिलता है।

● **मुगल शासकों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों के कारण जयपुर के कच्छवाहा शासकों द्वारा जारी किए गए सिक्के..... कहलाते थे। [CET 10+2, 2023]**
(1) विजयशाही (2) दीनार
(3) भिलाड़ी (4) झाड़शाही

व्याख्या : (4) जयपुर के कच्छवाहा शासकों द्वारा जारी किए गये **झाड़शाही** सिक्के मुगलों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों को दर्शाते हैं **विजयशाही** सिक्के जोधपुर राज्य से संबंधित है। **भिलाड़ी** सिक्कों का संबंध मेवाड़ रियासत से है। राज्य में 11वीं से 13वीं सदी के सांभर, अजमेर एवं नाडोल-जालोर के चौहान शासनकालीन चाँदी व ताँबे के सिक्के मिले हैं, जिन्हें चौहानकालीन शिलालेखों में '**द्रम्म**', '**विशोपक**', '**रूपक**' व **दीनार** आदि कहा जाता था।

● **'अर्ली चौहान डाइनेस्टीज़' के लेखक हैं–**
[CET स्नातक स्तर, 2023; प्राध्यापक (स्कूल शिक्षा) परीक्षा, 2022]
(1) जी.ए. ग्रियर्सन (2) दशरथ शर्मा
(3) जी.एच. ओझा (4) जी.एन. शर्मा

व्याख्या : (2)

लेखक		रचना
◆ दशरथ शर्मा	–	अर्ली चौहान डाइनेस्टीज
◆ जी.ए. ग्रियर्सन	–	लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इण्डिया
◆ जी.एच. ओझा	–	प्राचीन भारतीय लिपिमाला

● **'फतुहात-ए-आलमगीरी' के लेखक कौन हैं?**
[CET स्नातक स्तर, 2023]
(1) फिरोज शाह तुगलक (2) ईश्वरदास नागर
(3) औरंगजेब (4) दारा शिकोह

व्याख्या : (2) 'फतुहात-ए-आलमगीरी' नामक पुस्तक ईश्वरदास नागर द्वारा रचित प्रमुख कृति है। उल्लेखनीय है कि ईश्वरदास नागर लम्बे समय तक जोधपुर में मुगल अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। इस पुस्तक में 1698 ई. तक की औरंगजेब के शासनकाल की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ शामिल हैं। यह पुस्तक मालवा तथा राजपूताना के प्रांतीय शासन पर भी पर्याप्त प्रकाश डालती है।

● **ऐतिहासिक स्थल 'जाबालिपुर' की आधुनिक पहचान है– [CET स्नातक स्तर, 2023]**
(1) जालोर (2) सिरोही
(3) नागौर (4) जैसलमेर

व्याख्या : (1) प्राचीन काल में जालोर को **जाबालिपुर** के नाम से जाना जाता है। प्रतिहार नरेश **नागभट्ट प्रथम** ने जालोर को अपनी राजधानी बनाया था।

● **निम्नलिखित में से जॉर्ज थॉमस द्वारा 'राजस्थान' के लिए सर्वप्रथम किन शब्दों का प्रयोग किया गया था?**
[Asst. Town Planner, 2022]
(1) मत्स्य प्रदेश (2) राजस्थान
(3) राजपूताना (4) मरुभूमि

व्याख्या : (3) 1800 ई. में जॉर्ज थॉमस ने राजस्थान को '**राजपूताना**' नाम से संबोधित किया था। कर्नल जेम्स टॉड ने अपनी पुस्तक '**द एनाल्स एण्ड एन्टिक्यूटीज ऑफ राजस्थान**' में राजस्थान के लिए सर्वप्रथम '**राजस्थान या रायथान**' शब्द का प्रयोग किया था।

● **हल्दीघाटी के युद्ध को 'गोगुन्दा का युद्ध' किसने कहा है? [वरिष्ठ शारीरिक शिक्षा अध्या. परीक्षा, 2022]**
(1) अबुल फ़जल (2) कर्नल जेम्स टॉड
(3) निजामुद्दीन अहमद (4) अब्दुल कादिर बदायूँनी

व्याख्या : (4) हल्दीघाटी का युद्ध 18 जून, 1576 को महाराणा प्रताप व अकबर के सेनापति मानसिंह के बीच लड़ा गया। इसे **कर्नल जेम्स टॉड** ने '**मेवाड़ की थर्मोपल्ली**', '**बदायूँनी** ने '**गोगुन्दा का युद्ध**' एवं **अबुल फजल** ने '**खमनौर का युद्ध**' कहा।

● **निम्नलिखित में से किस प्राचीन सभ्यता में सम्राट अशोक के दो शिलालेख पाये गए हैं?**
[द्वितीय श्रेणी शिक्षक (ग्रुप-D) परीक्षा, 2022]